Drishti IAS

करेंट अफेयर्स हरियाणा

दिसंबर

2024

(संग्रह)

Drishti, 641, First Floor, Dr. Mukharjee Nagar, Delhi-110009
Inquiry: +91-87501-87501
Email: care@groupdrishti.in

अनुक्रम

हरियाणा	**3**
➢ COP-16 सम्मेलन	3
➢ पोलियो प्रतिरक्षण अभियान	4
➢ अरावली ग्रीन वॉल परियोजना	5
➢ हरियाणा में भूजल निष्कर्षण	7
➢ उच्च न्यायालय ने 1965 के युद्ध की विधवा को 58 वर्ष बाद पेंशन प्रदान की	8
➢ श्यामल मिश्रा को FMDA और GMDA का CEO नियुक्त किया गया	9
➢ हरियाणा के आबकारी नीति पर विवाद	10
➢ किसानों का 'दिल्ली चलो' मार्च	10
➢ बीमा सखी योजना	12
➢ मार्बल्ड डक	13
➢ महिला श्रम बल भागीदारी दर में वृद्धि	15
➢ सुल्तानपुर राष्ट्रीय उद्यान के निकट अवैध निर्माण	16
➢ NGT ने फरीदाबाद में पैनल का गठन किया	17
➢ सूरजकुंड मेला 2025	19
➢ हरियाणा और उत्तर प्रदेश में कम जलापूर्ति	20
➢ यूरिया-कुशल गेहूँ की किस्में	22
➢ डेटा विज्ञान पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन	23
➢ हरियाणा में विकास पहल	24
➢ MSP खरीद पर हरियाणा सरकार की अधिसूचना	24
➢ सिरसा में काला हिरण मारा गया	25
➢ अवैध खनन से निपटने के लिये भू-स्थानिक सर्वेक्षण	26
➢ सुशासन दिवस पर राज्य स्तरीय पुरस्कार	28
➢ हरियाणा में उप-मंडल की स्थिति	29
➢ उत्तम सेवा पदक	30
➢ भारत की चैंपियन महिला शटलरों के लिये नया केंद्र	31
➢ ओ.पी. चौटाला का निधन	32
➢ हड़प्पा युग की जल प्रबंधन तकनीक	33

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 ➢ SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस ➢ SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स ➢ SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप ➢ SCAN ME

नोट :

हरियाणा

COP-16 सम्मेलन

चर्चा में क्यों ?

हाल ही में **हरियाणा के पर्यावरण, वन और वन्यजीव मंत्री ने** 2 से 13 दिसंबर, 2024 तक **सऊदी अरब के रियाद** में **मरुस्थलीकरण से निपटने के लिये संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन (UNCCD)- COP 16** में भाग लेने के लिये नई दिल्ली से एक प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया।

मुख्य बिंदु

- **सहयोग के लिये मंच:**
  - **यह आयोजन ग्रीन जोन के व्यवसायों,** वैज्ञानिकों, वित्तीय संस्थानों, **गैर-सरकारी संगठनों (NGO)** और प्रभावित समुदायों के लिये एक प्रभावी मंच के रूप में कार्य करेगा।
  - इसका उद्देश्य **भूमि पुनर्स्थापन और सूखा प्रबंधन** के लिये सहयोग को सुविधाजनक बनाना और स्थायी समाधान विकसित करना है।
- **अंतर्राष्ट्रीय भागीदारी:**
  - COP-16 में विश्व भर के विभिन्न देशों के प्रतिनिधि एक साथ आएँगे।
  - इस सम्मेलन के माध्यम से मरुस्थलीकरण से संबंधित चुनौतियों के समाधान पर वैश्विक स्तर पर चर्चा को प्रोत्साहन मिलने की संभावना है।

मरुस्थलीकरण से निपटने के लिये संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन (UNCCD)

- **वर्ष 1994 में स्थापित,** यह पर्यावरण और विकास को सतत् भूमि प्रबंधन से जोड़ने वाला एकमात्र **कानूनी रूप से बाध्यकारी अंतर्राष्ट्रीय समझौता है।**
- यह विशेष रूप से शुष्क, अर्द्ध-शुष्क और शुष्क उप-आर्द्र क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करता है, जिन्हें शुष्क भूमि के रूप में जाना जाता है, जहाँ कुछ सबसे कमज़ोर पारिस्थितिकी तंत्र और लोग पाए जा सकते हैं।
- सम्मेलन के 197 पक्ष **शुष्क भूमि पर लोगों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने,** भूमि और मृदा की उत्पादकता को बनाए रखने और बहाल करने तथा सूखे के प्रभावों को कम करने के लिये मिलकर काम करते हैं।
- UNCCD भूमि, जलवायु और जैव विविधता की परस्पर जुड़ी चुनौतियों से निपटने के लिये अन्य दो रियो सम्मेलनों के साथ काम करता है:
- जैव विविधता पर कन्वेंशन (CBD)
- जलवायु परिवर्तन पर संयुक्त राष्ट्र फ्रेमवर्क कन्वेंशन (UNFCCC)

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

पोलियो प्रतिरक्षण अभियान

चर्चा में क्यों?

भारतीय विशेषज्ञ सलाहकार समूह (IEAG) ने 8 दिसंबर 2024 से प्रारंभ होने वाले **पोलियो उप-राष्ट्रीय टीकाकरण दिवस (SNID)** के अंतर्गत हरियाणा के छह जिलों को शामिल करने का निर्णय लिया है। ये ज़िले **कैथल, झज्जर, गुरुग्राम, फरीदाबाद, सोनीपत और नूंह** हैं।

IEAG विशेषज्ञों का एक समूह है जो भारत सरकार को **पोलियो उन्मूलन पर सलाह देता है और रणनीतिक मार्गदर्शन प्रदान करता है।**

मुख्य बिंदु

- **पोलियो SNID राउंड:**
  - **मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य (MCH)** निदेशक ने आगामी **SNID दौर** की तैयारियों की समीक्षा के लिये राज्य टास्क फोर्स की बैठक की अध्यक्षता की।
  - उपस्थित लोगों में राज्य टीकाकरण अधिकारी, राज्य मुख्यालय के अधिकारी, ज़िला टीकाकरण अधिकारी तथा **महिला एवं बाल विकास, शिक्षा**, श्रम, **शहरी स्थानीय निकाय, पंचायती राज**, जनसंपर्क, **आयुष, चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान, भारतीय चिकित्सा संघ** तथा **भारतीय बाल चिकित्सा अकादमी जैसे प्रमुख हितधारक विभागों के प्रतिनिधि शामिल थे।**
- **पोलियो-मुक्त स्थिति और सतर्कता की आवश्यकता:**
  - इस बात पर प्रकाश डाला गया कि हरियाणा और भारत वर्ष 2011 से पोलियो मुक्त बने हुए हैं, जो लगातार प्रयासों के कारण एक महत्त्वपूर्ण उपलब्धि है।
  - **उन्होंने आगामी SNID दौर में 0-5 वर्ष की आयु के सभी पात्र बच्चों को शामिल करने** के महत्त्व पर बल दिया, विशेष रूप से मलावी और मोजाम्बिक में **पोलियो वायरस के मामलों** की रिपोर्ट के मद्देनज़र, जिनका संबंध पाकिस्तान से है।
- **उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करना:**
  - अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि वे उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों में संवेदनशील संख्या की 100% कवरेज प्राप्त करने के लिये व्यापक नामांकन और सूक्ष्म नियोजन सुनिश्चित करना, जैसे:
    - शहरी मलिन बस्तियाँ
    - खानाबदोश स्थल
    - निर्माण स्थल
    - ईंट भट्टे
    - पोल्ट्री फार्म
    - कारखाने
    - गन्ना क्रशर
    - पत्थर-कुचलने वाले क्षेत्र
- **प्रशिक्षण और पर्यवेक्षण:**
  - **प्रभावी टीकाकरण** सुनिश्चित करने के लिये सभी टीका लगाने वालों को प्रशिक्षण दिया जाएगा।
  - राज्य मुख्यालय के अधिकारी ज़िला स्तर पर गतिविधियों की निगरानी एवं पर्यवेक्षण करेंगे।
  - वास्तविक समय पर फीडबैक प्राप्त करने तथा सभी ज़िलों में बहु-स्तरीय पर्यवेक्षण लागू करने के लिये ज़िला-स्तरीय पर्यवेक्षण योजना तैयार की जाएगी।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉडयूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

पोलियो

- **परिचय:**
  - पोलियो एक **अपंगकारी और संभावित रूप से घातक वायरल संक्रामक रोग है** जो तंत्रिका तंत्र को प्रभावित करता है।
  - तीन अलग-अलग और प्रतिरक्षात्मक रूप से भिन्न जंगली पोलियोवायरस उपभेद हैं:
    - जंगली पोलियोवायरस प्रकार 1 (WPV1)
    - जंगली पोलियोवायरस प्रकार 2 (WPV2)
    - जंगली पोलियोवायरस प्रकार 3 (WPV3)
  - लक्षणात्मक रूप से, तीनों स्ट्रेन एक जैसे हैं, यानी वे अपरिवर्तनीय पक्षाघात या यहाँ तक कि मौत का कारण बनते हैं। हालाँकि, आनुवंशिक और वायरोलॉजिकल अंतर हैं, जो इन तीनों स्ट्रेन को अलग-अलग वायरस बनाते हैं जिन्हें अलग-अलग खत्म किया जाना चाहिये।
- **प्रसार:**
    - यह वायरस **व्यक्ति-से-व्यक्ति में मुख्यत: मल-मौखिक मार्ग से फैलता है** या कभी-कभी एक ही माध्यम से संक्रमित होता है (उदाहरण के लिये, दूषित जल या भोजन के माध्यम से)।
    - यह **मुख्य रूप से 5 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को प्रभावित करता है।** वायरस आंत में बढ़ता है, जहाँ से यह तंत्रिका तंत्र पर आक्रमण कर सकता है और पक्षाघात का कारण बन सकता है।
- **लक्षण:**
  - पोलियो से पीड़ित ज़्यादातर लोग बीमार महसूस नहीं करते। कुछ लोगों में सिर्फ मामूली लक्षण होते हैं, जैसे बुखार, थकान, मतली, सिरदर्द, हाथ-पैरों में दर्द आदि।
  - दुर्लभ मामलों में, पोलियो संक्रमण के कारण मांसपेशियों की कार्यक्षमता स्थायी रूप से समाप्त हो जाती है (लकवा)।
  - यदि साँस लेने के लिये उपयोग की जाने वाली मांसपेशियाँ लकवाग्रस्त हो जाएँ या मस्तिष्क में संक्रमण हो जाए तो पोलियो घातक हो सकता है।
- **रोकथाम और उपचार:**
  - **इसका कोई उपचार नहीं है, लेकिन टीकाकरण** के माध्यम द्वारा इसे रोका जा सकता है।
- **टीकाकरण:**
  - **ओरल पोलियो वैक्सीन (OPV)** को संस्थागत प्रसव के लिये जन्म खुराक के रूप में मौखिक रूप से दिया जाता है, फिर 6, 10 और 14 सप्ताह में तीन प्राथमिक खुराक और 16-24 महीने की उम्र में एक बूस्टर खुराक दी जाती है।
  - **सार्वभौमिक टीकाकरण कार्यक्रम (UIP)** के अंतर्गत **DPT (डिप्थीरिया, पर्टुसिस और टेटनस)** की तीसरी खुराक के साथ एक अतिरिक्त खुराक के रूप में **इंजेक्टेबल पोलियो वैक्सीन (IPV) की शुरुआत की गई है।**

अरावली ग्रीन वॉल परियोजना

चर्चा में क्यों?

संयुक्त राष्ट्र मरुस्थलीकरण रोकथाम सम्मेलन (UNCCD) COP16 के एक भाग के रूप में आयोजित **संयुक्त राष्ट्र** जलवायु कार्यक्रम में, भारत ने अपनी महत्वाकांक्षी **'अरावली ग्रीन वॉल' परियोजना** पर प्रकाश डाला, तथा वैश्विक स्तर पर क्षरित वन भूमि को बहाल करने के लिये नवीन दृष्टिकोण अपनाने के महत्त्व पर बल दिया।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

प्रमुख बिंदु

- **अरावली ग्रीन वॉल परियोजना के बारे में प्रस्तुति:**
  - **अफ्रीका की ग्रेट ग्रीन वॉल पहल** से प्रेरित होकर, अरावली ग्रीन वॉल परियोजना का उद्देश्य है-
    - **वर्ष 2027 तक 1.1 मिलियन हेक्टेयर से अधिक क्षतिग्रस्त भूदृश्यों** को पुनर्स्थापित करना।
    - देशी प्रजातियों के साथ **वनरोपण**, मृदा स्वास्थ्य सुधार और **भूजल पुन:पूर्ति** पर ध्यान केंद्रित करना।
    - शहरी उष्मीय द्वीपों को कम करने के लिये एक "इकोलॉजिकल वॉल" विकसित करना तथा एनसीआर के लिये कार्बन सिंक के रूप में कार्य करना।
- **अरावली पर्वतमाला का महत्त्व:**
  - अरावली पर्वतमाला एक प्राकृतिक अवरोध के रूप में कार्य करती है जो **थार रेगिस्तान** को पूर्व की ओर फैलने से रोकती है।
  - यह "अद्वितीय वनस्पतियों और जीवों के भंडार" के रूप में कार्य करता है, लेकिन **भूमि क्षरण और मरुस्थलीकरण**, **अतिक्रमण**, **खनन** और **शहरीकरण** सहित गंभीर चुनौतियों का सामना कर रहा है।
- **पुनर्बहाली की आवश्यकता:**
  - इन खतरों से निपटने और गिरावट को रोकने के लिये तत्काल कार्यवाही की आवश्यकता है।
  - इस पुनरुद्धार प्रयास में **हरियाणा, दिल्ली, राजस्थान और गुजरात** का सहयोग शामिल है।
- **कार्यान्वयन रणनीति:**
  - **राज्य सरकारें लाखों देशी वृक्ष और झाड़ियाँ लगाएँगी** और **मृदा संरक्षण** को बढ़ावा देंगी।
  - **हरियाणा में पहले चरण में** गुड़गाँव, फरीदाबाद और भिवानी सहित प्रमुख ज़िलों में **66 जल निकायों का पुनरुद्धार** किया जाएगा।
    - हरियाणा की योजना में 35,000 हेक्टेयर भूमि का पुनरुद्धार शामिल है, जिसमें से अकेले गुड़गाँव में 18,000 हेक्टेयर भूमि शामिल है।
- **वैश्विक अपील और विजन:**
  - सरकारों, अंतर्राष्ट्रीय संगठनों और निजी संस्थाओं को शामिल करते हुए **वैश्विक साझेदारियों से तकनीकी और वित्तीय संसाधनों के साथ इस पहल का समर्थन** करने का आह्वान किया गया है।
  - इस परियोजना का उद्देश्य क्षीण हो चुके भूदृश्यों को पुन: स्थापित करने के **वैश्विक प्रयासों के लिये एक "ब्लूप्रिंट" के रूप में कार्य करना** है।
- **नवीन दृष्टिकोण:**
  - इस परियोजना में **प्रकृति आधारित समाधान** शामिल किये गए हैं, जिनमें स्वदेशी प्रजातियों के साथ वनरोपण, मृदा स्वास्थ्य और नमी कायाकल्प, संरक्षण में सामुदायिक भागीदारी पर ध्यान केंद्रित किया गया है।

अरावली पर्वत शृंखला

- अरावली, **पृथ्वी पर सबसे पुराना वलित पर्वत** है। भूवैज्ञानिक अध्ययनों से पता चलता है कि यह तीन अरब वर्ष पुराना है।
- यह **गुजरात से दिल्ली** (राजस्थान और हरियाणा से होकर) तक **800 किलोमीटर** से अधिक तक फैला हुआ है।
- अरावली पर्वतमाला की **सबसे ऊँची चोटी माउंट आबू पर स्थित गुरु शिखर** है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- **जलवायु पर प्रभाव:**
  - अरावली पर्वतमाला का उत्तर-पश्चिम भारत और उससे आगे की जलवायु पर प्रभाव पड़ता है।
  - मानसून के दौरान, पर्वत श्रृंखला मानसून के बादलों को धीरे-धीरे शिमला और नैनीताल की ओर पूर्व की ओर ले जाती है, जिससे **उप-हिमालयी नदियों और उत्तर भारतीय मैदानों को पोषण मिलता है।**
  - सर्दियों के महीनों के दौरान, यह **सिंधु और गंगा की उपजाऊ जलोढ़ नदी घाटियों को मध्य एशिया से आने वाली ठंडी पश्चिमी हवाओं** से बचाता है।

हरियाणा में भूजल निष्कर्षण

चर्चा में क्यों?

हरियाणा में **भूजल निष्कर्षण (SoE) का स्तर** 135.74 % तक पहुँच गया है, जो दर्शाता है कि **भूजल निष्कर्षण की दर धारणीय उपयोग सीमा से अधिक** है।

प्रमुख बिंदु

- **भूजल निष्कर्षण की वर्तमान स्थिति:**
  - **हरियाणा**
    - **वार्षिक भूजल पुनर्भरण:** 9.55 बिलियन क्यूबिक मीटर (bcm)
    - **वार्षिक निष्कर्षण योग्य भूजल:** 8.69 bcm
    - **कुल भूजल निष्कर्षण (2023):** 11.8 bcm
    - **SoE:** 135.74%, यह दर्शाता है कि निष्कर्षण धारणीय स्तर से अधिक है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉडयूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- **पंजाब**
  - **वार्षिक भूजल पुनर्भरण:** 18.84 bcm
  - **वार्षिक निष्कर्षण योग्य भूजल:** 16.98 bcm
  - **कुल भूजल निष्कर्षण (2023):** 27.8 bcm
  - **SoE:** धारणीय स्तर से अधिक, तथा निष्कर्षण स्थायी रूप से उपयोग किये जा सकने वाले स्तर से अधिक है।
- **राजस्थान**
  - **वार्षिक भूजल पुनर्भरण:** 12.45 bcm
  - **वार्षिक निष्कर्षण योग्य भूजल:** 11.25 bcm
  - **कुल भूजल निष्कर्षण (2023):** 16.74 bcm
  - **SoE:** 148.77%, जो पुनर्भरण की तुलना में महत्त्वपूर्ण अति-निष्कर्षण को दर्शाता है।

- **भूजल क्षरण की चिंताएँ:**
  - **पर्यावरणीय क्षरण:** जब भूजल स्तर गिरता है, तो खारा जल तटीय क्षेत्रों में प्रवेश कर सकता है, जिससे स्वच्छ जल के संसाधन दूषित हो सकते हैं।
  - **भूजल प्रदूषण:** कृषि, सीवेज़ और उद्योग जैसी मानवीय गतिविधियों से भूजल में **आर्सेनिक, फ्लोराइड, नाइट्रेट और लौह** जैसे प्रदूषक प्रवेश कर सकते हैं।
  - **भूमि अवतलन:** जब भूजल का अत्यधिक उपयोग किया जाता है, तो मृदा ढह सकती है, संकुचित हो सकती है और नीचे गिर सकती है, जिससे भूमि अवतलन होता है।
- **नीति अनुशंसाएँ:**
  - **जल शक्ति मंत्रालय (MoJS)** ने राज्यों से **किसानों को मुफ्त या सब्सिडी वाली विद्युत्** उपलब्ध कराने की नीतियों का पुनर्मूल्यांकन करने का आग्रह किया है।
  - धारणीय उपयोग को प्रोत्साहित करने के लिये जल मूल्य निर्धारण तंत्र लागू करना।
  - भूजल पर निर्भरता कम करने के लिये फसल चक्र, विविधीकरण और अन्य उपायों को लागू करना।
- **जल शक्ति अभियान (JSA) प्रयास:**
  - वर्ष 2019 से **जल शक्ति अभियान** एक मिशन-संचालित कार्यक्रम रहा है जो वर्षा जल संचयन और जल संरक्षण पर केंद्रित है।
  - JSA 2024 भारत भर के 151 जल-संकटग्रस्त ज़िलों पर केंद्रित है।

उच्च न्यायालय ने 1965 के युद्ध की विधवा को 58 वर्ष बाद पेंशन प्रदान की

चर्चा में क्यों?

पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय ने एक ऐतिहासिक निर्णय में **1965 के भारत-पाक युद्ध** में शहीद हुए एक सैनिक की 87 वर्षीय विधवा अंगूरी देवी को **पेंशन** लाभ प्रदान किया है।

- यह निर्णय न्याय और वित्तीय सहायता के लिये **58 वर्षों के संघर्ष** का अंत है।

मुख्य बिंदु

- अंगूरी देवी के पति नटेर पाल सिंह **राजपूत रेजिमेंट में सेवारत थे और 1965 के युद्ध** के दौरान पश्चिमी मोर्चे पर एक माइन विस्फोट में शहीद हो गए थे।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- अपने पति की मृत्यु के बाद उन्हें सेना से विशेष पारिवारिक पेंशन मिली।
- 1972 में सरकार ने 1947 से आगे के लिये पूर्वव्यापी प्रभाव से **"उदारीकृत पारिवारिक पेंशन" नीति शुरू की , जिसके तहत उच्च पेंशन प्रदान की गई।**
  - इस नीति में 1 फरवरी, 1972 से वित्तीय प्रभाव और बकाया शामिल थे।
- 1965 में उनके पति की मृत्यु के बावजूद, प्राधिकारियों ने यह पॉलिसी अंगूरी देवी पर लागू नहीं की।
- 31 **जनवरी, 2001** को एक नई नीति शुरू की गई, जिसका वित्तीय प्रभाव **1 जनवरी , 1996** से माना गया।
- इस नीति में **"उदारीकृत पारिवारिक पेंशन" शामिल थी,** लेकिन यह केवल 1 जनवरी, 1996 के बाद हुई **मृत्यु /विकलांगता पर ही लागू थी।**
- बाद में सर्वोच्च न्यायालय ने **1996 की कट-ऑफ तिथि को रद्द कर दिया।**
  - हालाँकि, अंगूरी देवी के दावे को शुरू में **इसलिये अस्वीकार कर दिया गया क्योंकि कट-ऑफ तिथियों में** उनका मामला शामिल नहीं था।
- सर्वोच्च न्यायालय द्वारा इन कट-ऑफ तिथियों को रद्द करने के **निर्णय** के बावजूद, उनका दावा अनसुलझा ही रहा।
- वर्षों की कानूनी लड़ाई के बाद, **सशस्त्र बल न्यायाधिकरण (AFT)** ने आंशिक राहत प्रदान की तथा उसके बकाये को उसके दाखिल करने की तिथि से तीन वर्ष पूर्व तक सीमित कर दिया।
  - हालाँकि, पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय ने इस निर्णय को निरस्त करते हुए कहा कि **वह वर्ष 2001 की नीति की प्रभावी तिथि से बकाया राशि प्राप्त करने का अधिकार रखती है।**

श्यामल मिश्रा को FMDA और GMDA का CEO नियुक्त किया गया

चर्चा में क्यों?

एक महत्त्वपूर्ण प्रशासनिक परिवर्तन के तहत, हरियाणा कैडर के 1996 बैच के IAS अधिकारी **श्यामल मिश्रा को फरीदाबाद महानगर विकास प्राधिकरण (FMDA)** और **गुरुग्राम महानगर विकास प्राधिकरण (GMDA)** दोनों का **मुख्य कार्यकारी अधिकारी (CEO) नियुक्त किया गया है।**

मुख्य बिंदु

- **श्यामल मिश्रा वर्तमान में नई दिल्ली में हरियाणा व्यापार मेला प्राधिकरण के मुख्य प्रशासक** के रूप में कार्यरत हैं, **वह हरियाणा के नागरिक उड्डयन विभाग के प्रधान सचिव** की भूमिका भी संभालेंगे।
- **अपने विस्तारित पोर्टफोलियो के बावजूद, श्यामल मिश्रा व्यापार मेला प्राधिकरण** में अपना कार्यभार जारी रखेंगे तथा हरियाणा के शहरी और विमानन बुनियादी ढाँचे को आगे बढ़ाने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।
- ये नियुक्तियाँ हरियाणा और हरियाणा के नौकरशाही नेतृत्व में **रणनीतिक पुनर्गठन को दर्शाती हैं,** जो राज्य की प्रशासनिक मशीनरी को सुव्यवस्थित और दृढ़ बनाने के लिये चल रहे प्रयासों को दर्शाती हैं।
- इस फेरबदल का उद्देश्य शासन को बेहतर बनाना तथा विकास परियोजनाओं का **प्रभावी कार्यान्वयन सुनिश्चित करना है।**

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

हरियाणा के आबकारी नीति पर विवाद

चर्चा में क्यों?

पंजाब **एवं हरियाणा उच्च न्यायालय ने गुरुग्राम** और **फरीदाबाद** में स्थित बार और पबों में आधी रात को **शराब की बिक्री** को लेकर **हरियाणा सरकार** को कड़ी चेतावनी जारी की है।

- हालाँकि, न्यायालय ने इस मामले में राज्य को कोई आधिकारिक निर्देश देने से बचने का निर्णय लिया।

मुख्य बिंदु

- यह मुद्दा तब उठा जब जून में पेश की गई **हरियाणा आबकारी नीति 2024-25** में पिछली नीति से उन प्रावधानों को हटा दिया गया, जिसके तहत अतिरिक्त शुल्क के भुगतान पर बार और पब को रात भर संचालित करने की अनुमति दी गई थी।
- संशोधित नीति के तहत, हरियाणा भर में सभी **बार** और **पबों को मध्यरात्रि तक बंद करना** अनिवार्य है, **गुरुग्राम और फरीदाबाद को छोड़कर,** जहाँ पुराने नियम लागू रहेंगे।
- **नई नीति की घोषणा** के बाद, **पंचकूला** के बार और पब मालिकों ने उच्च न्यायालय में एक याचिका दायर कर **गुरुग्राम** और **फरीदाबाद** के **अपने समकक्षों के साथ समानता की मांग की।**
  - हालाँकि, न्यायमूर्तियों की एक पीठ ने उनकी याचिका खारिज करते हुए निर्णय दिया कि आबकारी नीति अलग-अलग ज़िलों में अलग-अलग मानदंड लागू करती है और याचिकाकर्त्ता एकरूपता की मांग नहीं कर सकते।
- न्यायालय ने आबकारी नीतियों के निर्माण में **सांस्कृतिक संवेदनशीलता के महत्त्व को रेखांकित किया।**
  - इसमें कहा गया कि रात भर शराब की बिक्री की अनुमति देने से **सामाजिक पतन हो सकता है** तथा भारतीय समाज के **सांस्कृतिक मूल्य कमज़ोर हो सकते हैं।**
- पीठ ने इस बात पर ज़ोर दिया कि देश में जिम्मेदारीपूर्वक शराब पीना अभी भी एक दूरगामी लक्ष्य हैतथा नीति निर्माताओं को अपने निर्णयों के व्यापक सामाजिक निहितार्थों पर विचार करना चाहिये।

हरियाणा आबकारी नीति 2024-25

- **12 जून से लागू होने वाली** नई नीति में **IMFL (भारत में निर्मित विदेशी शराब) और देशी शराब** पर **उत्पाद शुल्क** में मामूली वृद्धि होगी।
- **वर्ष 2024-25 के लिये** IMFL का अधिकतम मूल कोटा **700 लाख प्रूफ लीटर (मापन इकाई)** और देशी शराब के लिये **1,200 लाख प्रूफ लीटर होगा।**
- **IMFL और देशी शराब के लिये 2023-24** में शुरू की गई क्यूआर कोड-आधारित ट्रैक और ट्रेस प्रणाली को आयातित **विदेशी** शराब तक भी बढ़ाया जाएगा।

किसानों का 'दिल्ली चलो' मार्च

चर्चा में क्यों?

हाल ही में किसानों ने **शंभू बॉर्डर स्थित अपने विरोध स्थल से दिल्ली के लिये पैदल मार्च शुरू किया,** लेकिन हरियाणा पुलिस की बहुस्तरीय बैरिकेडिंग ने उन्हें रोक दिया।

भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (BNSS) की **धारा 163** के तहत हरियाणा पुलिस ने किसानों को निषेधाज्ञा का हवाला दिया।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

न्यूनतम समर्थन मूल्य

Minimum Support Price (MSP)

वह दर जिस पर सरकार किसानों से फसल खरीदती है; किसानों द्वारा वहाँ किये गए उत्पादन लागत के कम-से-कम 1.5 गुणा की गणना के आधार पर

- **सिफारिश:**
- **'कृषि लागत और मूल्य आयोग' (CACP)** द्वारा सरकार को 22 अधिदिष्ट फसलों के लिये 'न्यूनतम समर्थन मूल्य' (MSP) तथा **गन्ने के लिये 'उचित और लाभकारी मूल्य' (FRP) की सिफारिश की जाती है।**
- **22 अधिदिष्ट फसलें :**
  (14 खरीफ, 6 रबी और 2 अन्य वाणिज्यिक फसलें)
- **7 अनाज**- धान, गेहूँ, जौ, ज्वार, बाजरा, मक्का और रागी
- **5 दालें**- चना, अरहर/तूर, मूंग, उड़द और मसूर
- **7 तिलहन**- मूंगफली, सफेद सरसों/सरसों, सोयाबीन, सूरजमुखी, तिल, कुसुंभ और रामतिल
- **कच्चा कपास**
- **कच्चा जूट**
- **नारियल/गरी (कोपरा)**

MSP वह मूल्य है जिस पर सरकार को किसानों से अधिदिष्ट फसलों की खरीद करनी होती है, यदि बाजार मूल्य इससे कम हो जाता है

- **MSP की सिफारिश में प्रयुक्त कारक:**
  - फसल की खेती में आने वाली लागत
  - फसल के लिये आपूर्ति एवं मांग की स्थिति
  - बाजार मूल्य प्रवृत्तियाँ
  - अंतर-फसल मूल्य समता
  - उपभोक्ताओं के लिये निहितार्थ (मुद्रास्फीति)
  - पर्यावरण (मिट्टी तथा पानी के उपयोग)
  - कृषि एवं गैर-कृषि क्षेत्रों के बीच व्यापार की शर्तें
  - MSP की सिफारिश करते समय **CACP** द्वारा **'A2+FL'** और **'C2'** दोनों लागतों पर विचार किया जाता है।
  - **MSP का कोई वैधानिक समर्थन प्राप्त नहीं है - कोई भी किसान अधिकार के रूप में MSP की मांग नहीं कर सकता है**

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

प्रमुख बिंदु

- **किसानों की मांग:**
  - किसान केंद्र सरकार से फसलों के लिये **न्यूनतम समर्थन मूल्य (MSP)** की कानूनी गारंटी की मांग को लेकर मार्च कर रहे हैं।
  - इस विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व **संयुक्त किसान मोर्चा (गैर-राजनीतिक)** और **किसान मज़दूर मोर्चा** के बैनर तले किसान कर रहे हैं।
- **विरोध कार्यवाहियाँ:**
  - पंजाब और हरियाणा के बीच शंभू और खनौरी सीमा पर 13 फरवरी 2024 से डेरा डाले किसानों को दिल्ली के रास्ते में सुरक्षा बलों ने रोक दिया।
  - कुछ प्रदर्शनकारियों ने **घग्गर नदी** पर बने पुल पर सुरक्षाकर्मियों द्वारा लगाए गए लोहे के जालीदार बैरिकेड को धक्का देकर गिरा दिया।
- **हरियाणा में सरकार की प्रतिक्रिया:**
  - हरियाणा सरकार ने 6 से 9 दिसंबर 2024 तक अंबाला ज़िले के 11 गाँवों में **मोबाइल इंटरनेट और बल्क SMS सेवाओं को निलंबित** कर दिया है।
- **सुरक्षा के कड़े उपाय:**
  - दिल्ली पुलिस ने चल रहे किसान आंदोलन के मद्देनजर शहर की सीमाओं पर सुरक्षा बढ़ा दी है।

बीमा सखी योजना

चर्चा में क्यों?

हाल ही में प्रधानमंत्री ने हरियाणा के पानीपत में **भारतीय जीवन बीमा निगम** की '**बीमा सखी योजना**' **का शुभारंभ किया।** इस अवसर पर उन्होंने **करनाल में महाराणा प्रताप बागवानी विश्वविद्यालय** के मुख्य परिसर **की आधारशिला भी रखी।**

मुख्य बिंदु

- **बीमा सखी योजना:**
  - यह **18-70 वर्ष की आयु की महिलाओं के लिये बनाया गया है, जिसका ध्यान वित्तीय साक्षरता और बीमा जागरूकता** पर केंद्रित है।
  - इसमें तीन वर्ष का प्रशिक्षण और वजीफा, LIC एजेंट या विकास अधिकारी बनने के अवसर और 2 लाख महिलाओं के लिये रोज़गार सृजन शामिल है।
  - इससे "**सभी के लिये बीमा**" के मिशन को मज़बूती मिलेगी, **सामाजिक सुरक्षा** को बढ़ावा मिलेगा और **गरीबी उन्मूलन** होगा।
- **महाराणा प्रताप बागवानी विश्वविद्यालय:**
  - यह 495 एकड़ में विस्तृत है, जिसमें अनुसंधान केंद्र, एक बागवानी महाविद्यालय और पाँच स्कूल हैं।
  - इसका उद्देश्य **फसलों में विविधता लाना और विश्व स्तरीय बागवानी प्रौद्योगिकियों को बढ़ावा देना है।**
- **कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री ने निम्नलिखित बातों पर भी प्रकाश डाला:**
  - पानीपत से शुरू किये गए '**बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' अभियान ने** पिछले दशक में हज़ारों बेटियों का जीवन बचाने में योगदान दिया है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- **महिलाओं के लिये विभिन्न पहलों पर प्रकाश डाला गया, जिनमें शामिल हैं:**
  - महिलाओं को **बैंक सखी, बीमा सखी और कृषि सखी** के रूप में प्रशिक्षण देना।
  - मातृत्व अवकाश को बढ़ाकर 26 सप्ताह करना।
  - **वित्तीय समावेशन** के लिये **जन धन योजना** जैसे कार्यक्रम शुरू किए गए, जिससे 30 करोड़ महिलाएँ लाभान्वित होंगी।
  - उन्होंने ग्रामीण आर्थिक परिवर्तन की आधारशिला के रूप में **स्वयं सहायता समूहों (SHG)** पर ज़ोर दिया, जिनसे 10 करोड़ से अधिक महिलाएँ जुड़ी हैं।
  - **लखपति दीदी अभियान** जैसी उपलब्धियों पर प्रकाश डाला गया, जिसके कारण 1.15 करोड़ महिलाएँ प्रतिवर्ष 1 लाख रुपए से अधिक कमाने में सक्षम हुई हैं।
  - उन्होंने जन धन योजना द्वारा लाए गए परिवर्तन पर प्रकाश डाला, जिससे निम्नलिखित योजनाओं से लाभ का सीधा हस्तांतरण सुनिश्चित हुआ:
    - **किसान कल्याण निधि**
    - **सुकन्या समृद्धि योजना**
    - **आवास और लघु व्यवसायों के लिये निधि**।

बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ योजना

- **परिचय:**
  - यह योजना **प्रधानमंत्री द्वारा 22 जनवरी, 2015 को शुरू की गई थी,** जिसका उद्देश्य **बाल लिंग अनुपात (CSR)** में कमी लाना तथा जीवन-चक्र में महिला सशक्तीकरण से संबंधित मुद्दों का समाधान करना था।
  - यह महिला एवं बाल विकास मंत्रालय (MW&CD), स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय (MH&FW) तथा शिक्षा मंत्रालय का **त्रि-मंत्रालयीय प्रयास है।**
- **मुख्य उद्देश्य:**
  - लिंग-पक्षपाती लिंग-चयनात्मक उन्मूलन की रोकथाम।
  - बालिकाओं के जीवन और संरक्षण को सुनिश्चित करना।
  - बालिकाओं की शिक्षा एवं भागीदारी सुनिश्चित करना।
  - बालिकाओं के अधिकारों की रक्षा करना।

मार्बल्ड डक

चर्चा में क्यों?

हाल ही में पक्षी प्रेमियों को **सुल्तानपुर राष्ट्रीय उद्यान** में एक दुर्लभ शीतकालीन प्रवासी, **मार्बल्ड डक** को देखकर बहुत खुशी हुई। सुल्तानपुर में इस प्रजाति को आखिरी बार 1990 में देखा गया था।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

मुख्य बिंदु

- **भौतिक विशेषताएँ:**
  - **भूरे-सफेद पंख वाला मध्यम आकार का** बत्तख।
  - **बड़े सिर और हल्की आँखों के पैच** द्वारा प्रतिष्ठित।
  - **यह मछलियों और जलीय पौधों पर निर्भर है।**
- **वैश्विक संरक्षण स्थिति:**
  - **अंतर्राष्ट्रीय प्रकृति संरक्षण संघ (IUCN)** द्वारा इसे विश्व स्तर पर "**संकटग्रस्त**" के रूप में वर्गीकृत किया गया है।
  - जनसंख्या में गिरावट का कारण निवास स्थान का विनाश और शिकार बताया गया।
- **भौगोलिक सीमा और आदतें:**
  - इसका मूल स्थान यूरोप है, जहाँ यह गर्मियों के महीनों में प्रजनन करता है।
  - तीन अलग-अलग क्षेत्रों में प्रजनन के लिये जाना जाता है: **पूर्वी भूमध्यसागरीय, पश्चिमी भूमध्यसागरीय और ईरान।**
  - प्रजनन के लिये निचली भूमि, उथले स्वच्छ जल वाले आवासों को पसंद करता है।
- **भारत में घटना:**
  - दिल्ली-NCR में शायद ही कभी देखा गया; अंतिम बार **वर्ष 2022 में भिंडावास वेटलैंड** में दर्ज किया गया।
  - हरियाणा में सीमित संख्या में देखा गया, 2000 के दशक में गुड़गाँव में देखा गया।
  - पिछले अवलोकनों में गुजरात और राजस्थान शामिल हैं।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 — SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस — SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स — SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप — SCAN ME

नोट :

सुल्तानपुर राष्ट्रीय उद्यान

- **परिचय:**
  - सुल्तानपुर राष्ट्रीय उद्यान पक्षी प्रेमियों के लिये एक स्वर्ग है। यह **प्रवासी और स्थानीय पक्षियों के लिये प्रसिद्ध है।**
    - प्रवासी पक्षी सितंबर में पार्क में आना शुरू हो जाते हैं। पक्षी मार्च-अप्रैल तक पार्क को आरामगाह के रूप में इस्तेमाल करते हैं।
    - **गर्मियों** और **मानसून** के महीनों के दौरान पार्क में कई स्थानीय पक्षी प्रजातियां निवास करती हैं।
  - अप्रैल 1971 में, पार्क के अंदर **सुल्तानपुर झील** (1.21 वर्ग किमी का क्षेत्र) को **पंजाब वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1959** की धारा 8 के तहत **अभयारण्य का दर्जा दिया गया था।**
  - जुलाई 1991 में **वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972** के अंतर्गत पार्क का दर्जा बढ़ाकर **राष्ट्रीय उद्यान** कर दिया गया।
- **जगह:**
  - **यह पार्क हरियाणा के गुड़गाँव ज़िले में स्थित** है। पार्क की दूरी दिल्ली से लगभग 50 किलोमीटर और गुड़गाँव से 15 किलोमीटर है।
- **पार्क में महत्त्वपूर्ण जीव:**
  - **स्तनधारी: काला हिरण**, **नीलगाय**, हॉग हिरण, सांभर, **तेंदुआ** आदि।
  - **पक्षी: साइबेरियन क्रेन**, **ग्रेटर फ्लेमिंगो**, **डेमोइसेल क्रेन** आदि।

महिला श्रम बल भागीदारी दर में वृद्धि

चर्चा में क्यों?

हाल ही में **प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद (EAC-PM)** ने बताया कि वर्ष 2017-18 और 2022-23 के बीच भारत के लगभग सभी राज्यों में **महिला श्रम बल भागीदारी दर (LFPR)** में वृद्धि हुई है, जिसमें ग्रामीण क्षेत्रों में शहरी क्षेत्रों की तुलना में अधिक वृद्धि देखी गई है।

मुख्य बिंदु

- **महिला LFPR पर मुख्य निष्कर्ष:**
- **क्षेत्रीय विविधताएँ:**
  - **बिहार, पंजाब और हरियाणा में** लगातार **बहुत कम महिला LFPR की सूचना दी गई।**
  - सबसे अमीर राज्यों में शामिल होने के बावजूद, पंजाब और हरियाणा में महिला LFPR कम है, जबकि सबसे गरीब राज्य बिहार भी पीछे है।
- **विकास:**
  - ग्रामीण क्षेत्रों में **महिला LFPR** वर्ष 2017-18 से 2022-23 के दौरान 24.6% से बढ़कर 41.5% हो गई।
  - इसी अवधि के दौरान शहरी क्षेत्रों में **महिला LFPR 20.4% से बढ़कर 25.4% हो गई।**
  - समग्र प्रवृत्ति यह है कि अवैतनिक पारिवारिक श्रमिकों या घरेलू सहायकों को हटाने के बाद भी वृद्धि स्थिर बनी रही।
- **अन्य रुझान:**
- **वैवाहिक स्थिति:**
  - विवाहित पुरुष विभिन्न राज्यों और आयु समूहों में उच्च LFPR प्रदर्शित करते हैं।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- विवाह से महिला LFPR में उल्लेखनीय कमी आती है, विशेष रूप से शहरी क्षेत्रों में।
- **आयु गतिशीलता:**
  - महिला LFPR एक घंटीनुमा वक्र बनाती है, जो 30-40 वर्ष की आयु में चरम पर होती है तथा उसके बाद तेज़ी से घटती है।
  - पुरुष LFPR 30-50 वर्ष की आयु के बीच लगभग 100% रहता है और उसके बाद धीरे-धीरे कम होता जाता है।
- **राज्यवार अवलोकन:**
  - **उत्तरी राज्य:** पंजाब और हरियाणा में महिला LFPR कम दर्ज की गई।
  - **पूर्वी राज्य:** ग्रामीण बिहार में LFPR सबसे कम था, लेकिन इसमें सुधार हुआ, विशेष रूप से विवाहित महिलाओं के मामले में।
  - **पूर्वोत्तर राज्य:** ग्रामीण क्षेत्रों में प्रगति देखी गई, जिसमें नगालैंड और अरुणाचल प्रदेश अग्रणी रहे।
- **सरकारी योजनाओं का प्रभाव:**
- **मुद्रा ऋण**
- **ड्रोन दीदी योजना**
- **दीनदयाल अंत्योदय योजना**
  - ये योजनाएँ **महिलाओं के नेतृत्व वाले विकास पर ज़ोर देती हैं, जो कार्यबल में महिलाओं की भागीदारी को बढ़ावा देने** की सरकार की मंशा को दर्शाती हैं।
- महिला LFPR में वृद्धि, विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में, रोज़गार प्रवृत्तियों में उल्लेखनीय परिवर्तन को रेखांकित करती है। इस वृद्धि को बनाए रखने और बढ़ाने के लिये आगे का विश्लेषण और सरकारी सहायता आवश्यक होगी।

प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद (EAC-PM)

- यह एक **गैर-संवैधानिक, गैर-सांविधिक, स्वतंत्र निकाय है** जिसका गठन भारत सरकार, विशेष रूप से प्रधान मंत्री को आर्थिक और संबंधित मुद्दों पर सलाह देने के लिये किया गया है।
- यह परिषद तटस्थ दृष्टिकोण से भारत सरकार के समक्ष **प्रमुख आर्थिक मुद्दों को उजागर करने का कार्य करती है।**
- यह **मुद्रास्फीति, माइक्रोफाइनेंस और औद्योगिक उत्पादन** जैसे आर्थिक मुद्दों पर प्रधानमंत्री को सलाह देता है।
  - प्रशासनिक, संभार-तंत्र, योजना और बजटीय उद्देश्यों के लिये **नीति आयोग EAC-PM के लिये नोडल एजेंसी** के रूप में कार्य करता है।
- **आवधिक रिपोर्ट:**
  - वार्षिक आर्थिक परिदृश्य
  - अर्थव्यवस्था की समीक्षा

सुल्तानपुर राष्ट्रीय उद्यान के निकट अवैध निर्माण

चर्चा में क्यों?

हाल ही में **वन और वन्यजीव के अतिरिक्त मुख्य सचिव (ACS)** ने ज़िला प्रशासन को **सुल्तानपुर राष्ट्रीय उद्यान** के निकट **अवैध निर्माण** और उनकी वर्तमान स्थिति के संबंध में **पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (MoEF & CC)** को एक रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

मुख्य बिंदु

- **अवैध निर्माण की निगरानी हेतु समिति:**
  - मार्च 2024 में **राष्ट्रीय उद्यान के** आसपास के **प्रतिबंधित क्षेत्र में अवैध निर्माण गतिविधियों की निगरानी के लिये एक समिति का गठन किया गया था।**
  - जाँच में पाया गया कि सुल्तानपुर राष्ट्रीय उद्यान के निकट फरुखनगर क्षेत्र में कई अवैध कॉलोनियां विकसित की जा रही हैं।
  - **संवेदनशील क्षेत्रों** (Sensitive Zones) के भीतर निर्माण गतिविधियाँ **पारिस्थितिकी-संवेदनशील क्षेत्रों** के लिये क्षेत्रीय मास्टर प्लान के प्रावधानों का उल्लंघन करती हैं।
- **विनियमों का अनुपालन:**
  - अधिकारियों को राष्ट्रीय उद्यान के आसपास के क्षेत्रों में **संरचनात्मक निर्माण नियमों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिये गए।**
  - इन नियमों का पालन न करने वालों के विरुद्ध कार्रवाई की जानी चाहिये।

सुल्तानपुर राष्ट्रीय उद्यान

- **परिचय:**
  - सुल्तानपुर राष्ट्रीय उद्यान पक्षी प्रेमियों के लिये एक स्वर्ग है। यह **प्रवासी और स्थानीय पक्षियों के लिये प्रसिद्ध है।**
    - प्रवासी पक्षी सितंबर में पार्क में आना शुरू हो जाते हैं। पक्षी मार्च-अप्रैल तक पार्क को आरामगाह के रूप में उपयोग करते हैं।
    - **ग्रीष्म और मानसून** के महीनों के दौरान पार्क में कई स्थानीय पक्षी प्रजातियाँ निवास करती हैं।
  - अप्रैल 1971 में, पार्क के अंदर **सुल्तानपुर झील** (1.21 वर्ग किमी. का क्षेत्र) को **पंजाब वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1959** की धारा 8 के तहत **अभयारण्य** का **दर्जा दिया गया था।**
  - जुलाई 1991 में **वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972** के अंतर्गत पार्क का दर्जा बढ़ाकर **राष्ट्रीय उद्यान** कर दिया गया।
- **स्थान:**
  - यह पार्क हरियाणा के गुड़गाँव ज़िले में स्थित है। दिल्ली से इसकी दूरी लगभग 50 किलोमीटर और गुड़गाँव से 15 किलोमीटर है।
- **पार्क में महत्त्वपूर्ण जीव:**
  - **स्तनधारी: काला हिरण, नीलगाय,** हॉग हिरण, सांभर, **तेंदुआ** आदि।
  - **पक्षी: साइबेरियन क्रेन, ग्रेटर फ्लेमिंगो, डेमोइसेल क्रेन** आदि।

NGT ने फरीदाबाद में पैनल का गठन किया

चर्चा में क्यों?

राष्ट्रीय हरित अधिकरण ने **हरियाणा के फरीदाबाद** में पशुपालन एवं डेयरी कार्यालय परिसर में कई **पीपल के वृक्षों की कथित अवैध कटाई की** जाँच के लिये एक पैनल का गठन किया है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

मुख्य बिंदु

- **विरासत पीपल के वृक्षों का विनाश:**
  - याचिका में उल्लेख किया गया है कि **विरासत में प्राप्त पीपल के वृक्ष नष्ट कर दिये गए हैं,** किंतु उनकी **जड़ें अब भी विद्यमान** हैं।
  - संबंधित अधिकारियों से शिकायत के बावजूद **कोई कार्रवाई नहीं की गई।**

राष्ट्रीय हरित अधिकरण

राष्ट्रीय हरित अधिकरण (NGT) पर्यावरण एवं प्राकृतिक संसाधन मामलों के त्वरित समाधान हेतु एक विशेष निकाय है।

परिचय

- **स्थापना:** राष्ट्रीय हरित अधिकरण अधिनियम 2010 के तहत
- **उद्देश्य:** पर्यावरण एवं प्राकृतिक संसाधन संबंधी मामलों का त्वरित समाधान
- **मामले का समाधान:** 6 माह के अंदर
- **मुख्यालय: नई दिल्ली (मुख्यालय),** भोपाल, पुणे, कोलकाता और चेन्नई

संरचना

- **संरचना:** अध्यक्ष, न्यायिक सदस्य और विशेषज्ञ सदस्य
- **कार्यकाल:** 5 वर्ष तक/65 वर्ष की आयु तक (पुनर्नियुक्ति नहीं)
- **नियुक्तियाँ:** अध्यक्ष - केंद्र सरकार (भारतीय मुख्य न्यायाधीश के परामर्श से)
  - 10-20 न्यायिक सदस्य और 10-20 विशेषज्ञ सदस्य - चयन समिति

भारत विश्व स्तर पर तीसरा देश है (ऑस्ट्रेलिया और न्यूज़ीलैंड के बाद) साथ ही NGT जैसा विशेष पर्यावरण अधिकरण स्थापित करने वाला पहला विकासशील देश भी है।

शक्तियाँ और अधिकार क्षेत्र

- **अधिकार क्षेत्र:** पर्यावरण संबंधी मुद्दों और अधिकारों पर दीवानी मामले
- **स्वप्रेरणा से अधिकार (Suo Motu Powers):** वर्ष 2021 से प्रदान किये गए
- **भूमिका:** न्यायिक, निवारक और उपचारात्मक
- **प्रक्रिया:** प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों का पालन करता है
  - CPC, 1908 या भारतीय साक्ष्य अधिनियम 1872 के तहत बाध्य नहीं
- **सिद्धांत:** सतत् विकास; निवारक (Precautionary); प्रदूषक भुगतान (Polluter Pays)
- **आदेश:** सिविल कोर्ट के आदेशों के अनुसार निष्पादन योग्य; राहत और मुआवज़ा प्रदान करता है **(निर्णय बाध्यकारी हैं)**
- **अपील:** अधिकरण अपने निर्णयों की समीक्षा कर सकता है।
  - यदि निर्णय विफल हो जाता है - 90 दिनों के अंदर उच्चतम न्यायालय में अपील दायर की जानी चाहिये

NGT निम्नलिखित के तहत सिविल मामलों का समाधान करता है

- जल (प्रदूषण की रोकथाम और नियंत्रण) अधिनियम, 1974
- जल (प्रदूषण की रोकथाम और नियंत्रण) उपकर अधिनियम, 1977
- वन (संरक्षण) अधिनियम, 1980
- वायु (प्रदूषण की रोकथाम और नियंत्रण) अधिनियम, 1981
- पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986
- सार्वजनिक दायित्व बीमा अधिनियम, 1991
- जैव-विविधता अधिनियम, 2002

Drishti IAS

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- **NGT की टिप्पणियाँ:**
  - आवेदन के अनुसार **शीशम और अन्य वृक्षों को काटने की अनुमति दी गई,** लेकिन **पीपल के वृक्षों को काटने की अनुमति नहीं** दी गई।
  - याचिका में उप निदेशक, रेंज अधिकारी और ठेकेदार द्वारा वृक्षों की अवैध कटाई का आरोप लगाया गया।
  - न्यायाधिकरण ने फरीदाबाद के प्रभागीय वन अधिकारी और हरियाणा के वन एवं पशुपालन विभाग को नोटिस जारी किये।
  - आरोपों की पुष्टि करने तथा **आठ सप्ताह के भीतर न्यायाधिकरण को रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिये एक संयुक्त समिति नियुक्त की गई।**
  - **सदस्यों में** निम्नलिखित के प्रतिनिधि शामिल हैं:
    - सदस्य सचिव, **केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (CPCB)।**
    - चंडीगढ़ में **केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (MoEFCC)** का क्षेत्रीय कार्यालय।

सूरजकुंड मेला 2025

चर्चा में क्यों?

सूरजकुंड अंतर्राष्ट्रीय शिल्प मेला 7 से 23 फरवरी 2025 के बीच फरीदाबाद में आयोजित किया जाएगा। अधिकारियों द्वारा मरम्मत कार्य पर लगभग 1.50 करोड़ रुपए खर्च किये जाने की संभावना है।

मुख्य बिंदु

- **सूरजकुंड मेला:**
  - **यह हमारे शिल्पकारों को कला प्रेमियों से जोड़ने का** एक प्रभावी मंच है। यह मेला एक **कला प्रदर्शनी और एक व्यापार केंद्र दोनों है।**
  - **यह मेला भारत की हस्तशिल्प, हथकरघा और सांस्कृतिक विरासत** की समृद्धि और विविधता को प्रदर्शित करता है।
  - विभाग **2025 में मेला क्षेत्र का विस्तार करने पर ध्यान केंद्रित कर रहा है, जिसमें कारीगरों और प्रतिभागियों के लिये झोपड़ियों की संख्या बढ़ाने** पर ज़ोर दिया जाएगा।
  - वर्ष 2024 में, प्राधिकारियों ने लगभग 1,150 झोपड़ियाँ उपलब्ध कराईं, जिनमें 1,500 से अधिक स्वदेशी और 250 विदेशी शिल्पकारों को रहने की सुविधा दी गई।
    - अतिरिक्त झोपड़ियों की संख्या अभी निर्धारित नहीं की गई है और यह खुली जगह की उपलब्धता पर निर्भर करेगी।
    - मेले की बढ़ती लोकप्रियता और भागीदारी के चलते बढ़ती मांग को पूरा करने के लिये मौसम प्रतिरोधी डिज़ाइन वाली अतिरिक्त झोपड़ियों की आवश्यकता महसूस की जा रही है।
  - प्राधिकारियों ने टिकट और पार्किंग सुविधाओं के लिये **दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (DMRC)** के साथ एक **समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर किये हैं।**
  - **साझेदार राष्ट्र और विषय:**
  - **बिम्सटेक देश** (बांग्लादेश, भूटान, भारत, म्याँमार, थाईलैंड, नेपाल और श्रीलंका) इस आयोजन के **भागीदार राष्ट्र बने रहेंगे।**
- आगामी मेले के लिये थीम **राज्य की घोषणा अभी की जानी है,** हालाँकि असम, अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर, त्रिपुरा और मिज़ोरम जैसे पूर्वोत्तर राज्यों पर कला और शिल्प के प्रदर्शन के लिये विशेष ध्यान दिया जाएगा।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

बिम्सटेक

- बिम्सटेक एक **क्षेत्रीय संगठन है जिसमें 7 सदस्य देश** शामिल हैं- **बांग्लादेश, भूटान, भारत, म्याँमार, नेपाल, श्रीलंका और थाईलैंड।**
- इसकी स्थापना **1997 में बंगाल की खाड़ी क्षेत्र** के देशों के बीच बहुमुखी तकनीकी और आर्थिक सहयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से की गई थी।
- बिम्सटेक द्वारा कवर किया गया क्षेत्र लगभग **1.5 बिलियन लोगों का घर है,** जिसका संयुक्त सकल घरेलू उत्पाद **3.8 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक है।**

हरियाणा और उत्तर प्रदेश में कम जलापूर्ति

चर्चा में क्यों?

हिमाचल प्रदेश के ऊपरी पहाड़ी इलाकों में वर्षा की कमी के कारण यमुना का जलस्तर काफी कम हो गया है, जिससे **हरियाणा और उत्तर प्रदेश में जलापूर्ति में** भारी कमी आ गई है।

- **हथिनीकुंड बैराज में जल स्तर:**
  - **हथिनीकुंड बैराज में जल स्तर** बढ़ गया, लेकिन वृद्धि के बावजूद, वर्तमान आपूर्ति मांग से काफी कम है, जिससे **सिंचाई, पेयजल आपूर्ति और जल विद्युत उत्पादन प्रभावित हो रहा है।**
- **पश्चिमी यमुना नहर (WJC) की कमी:**
  - WJC की जल मांग 9,000 क्यूसेक है, लेकिन केवल 1,756 क्यूसेक ही छोड़ा गया।
  - यह **नहर दिल्ली को पेयजल उपलब्ध कराती है तथा दक्षिणी हरियाणा में फसलों की सिंचाई करती है** तथा दोनों ही क्षेत्र जल की कमी से बुरी तरह प्रभावित हुए हैं।
- **पूर्वी यमुना नहर (EJC) की कमी:**
  - **उत्तर प्रदेश को आपूर्ति करने वाली** EJC को 1,500 क्यूसेक पानी की आवश्यकता है, लेकिन उसे केवल 182 क्यूसेक ही प्राप्त हुआ।
  - **नदी में प्रवाह कम होने के कारण EJC को जलापूर्ति रोक दी गई,** जिससे जलस्तर घटकर 1,142 क्यूसेक रह गया।
- **जलविद्युत परियोजनाओं पर प्रभाव:**
  - यमुना में जल की कमी के कारण **नैनो वाली, भूडकलां, बेगमपुर और दादुपुर गाँवों में जलविद्युत परियोजनाएँ प्रभावित हुई हैं।**

यमुना नदी

- **परिचय:**
  - यमुना नदी उत्तरी भारत में गंगा की प्रमुख सहायक नदियों में से एक है।
  - यह **यमुना-गंगा मैदान** का एक अभिन्न हिस्सा है, जो दुनिया के सबसे विस्तृत **जलोढ़ मैदानों** में से एक है।
- **स्रोत:**
  - इसका स्रोत निचली **हिमालय पर्वतमाला** में **बंदरपूछ शिखरों** के दक्षिण-पश्चिमी किनारे पर **6,387 मीटर की ऊँचाई पर यमुनोत्री ग्लेशियर** में है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- **बेसिन:**
  - यह नदी **उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा और दिल्ली** से होकर बहने के बाद उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में **संगम (जहाँ कुंभ मेला आयोजित होता है) पर गंगा से मिलती है।**
- **महत्त्वपूर्ण बाँध:**
  - लखवार-व्यासी बाँध (उत्तराखंड), ताजेवाला बैराज बाँध (हरियाणा) आदि।
- **महत्त्वपूर्ण सहायक नदियाँ: चंबल, सिंध, बेतवा और केन।**

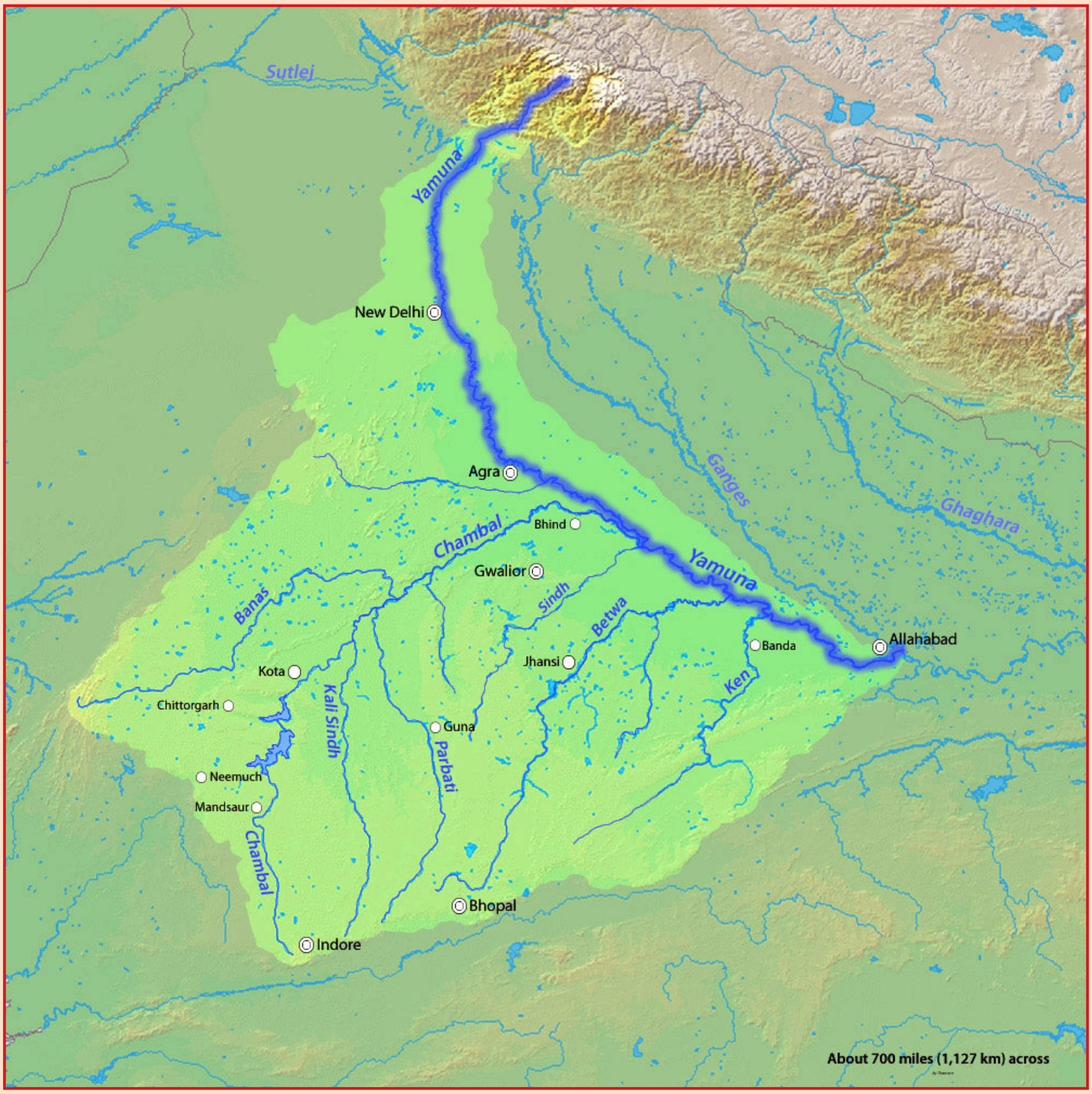

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

यूरिया-कुशल गेहूँ की किस्में

चर्चा में क्यों?

भारतीय और जापानी संस्थान जैविक नाइट्रीकरण अवरोध (BNI) प्रौद्योगिकी का उपयोग करके भारत की पहली गेहूँ किस्म विकसित करने के लिये सहयोग कर रहे हैं, जो सतत् कृषि की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण कदम है।

- **इस परियोजना में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (ICAR)- केंद्रीय मृदा लवणता अनुसंधान संस्थान (CSSRI), करनाल** शामिल है।

मुख्य बिंदु

- **उद्देश्य:**
  - इन किस्मों का **उद्देश्य यूरिया पर निर्भरता को कम करना, पर्यावरणीय स्थिरता, कृषि उत्पादकता और यूरिया सब्सिडी के वित्तीय बोझ** जैसी चुनौतियों का समाधान करना है।
- **सहयोगात्मक प्रयास:**
  - **यह परियोजना भारतीय गेहूँ एवं जौ अनुसंधान संस्थान (IIWBR), भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान (IARI) और बोरलॉग दक्षिण एशिया संस्थान (BISA)** की संयुक्त पहल है।
  - **यह जापान अंतर्राष्ट्रीय कृषि विज्ञान अनुसंधान केंद्र (JIRCAS)** के सहयोग से किया जाता है तथा **जापान अंतर्राष्ट्रीय सहयोग एजेंसी (JICA) द्वारा वित्त पोषित होता है।**
- **BNI की परिवर्तनकारी क्षमता:**
  - CSSRI के वैज्ञानिकों के अनुसार, **BNI प्रौद्योगिकी** उपज या गुणवत्ता से समझौता किये बिना **नाइट्रोजन उर्वरक की मांग को कम** कर सकती है।
  - उन्होंने कहा कि BNI **भूजल में नाइट्रोजन रिसाव को न्यूनतम करके सतत् कृषि का समर्थन करता है,** जिससे **मृदा की उर्वरता और जल संसाधनों का संरक्षण** होता है।
- **आशाजनक परिणाम:**
  - IIWBR के वरिष्ठ वैज्ञानिक ने बताया कि **प्रारंभिक प्रयोगों में यूरिया के उपयोग में 15-20% की कमी आई,** लेकिन इससे उपज या गुणवत्ता पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा।
  - BNI-सक्षम गेहूँ किस्मों के विकास के लिये प्रजनन रणनीति अच्छी तरह से आगे बढ़ रही है।
- **भविष्य के निहितार्थ:**
  - भारत और जापान के बीच यह महत्त्वपूर्ण सहयोग **गेहूँ की खेती** में क्रांतिकारी बदलाव लाएगा, यूरिया पर निर्भरता कम करेगा और वैश्विक कृषि चुनौतियों का समाधान करेगा।

जैविक नाइट्रीकरण अवरोध (BNI)

- यह एक **प्राकृतिक पादप प्रक्रिया है जो कृषि प्रणालियों में नाइट्रीकरण को विनियमित करने** और **नाइट्रोजन-उपयोग दक्षता** में सुधार करने में मदद कर सकती है।
- इससे **सतत् कृषि प्रणालियों को विकसित करने में सहायता मिल सकती है** जो उत्पादक तो होंगी लेकिन पर्यावरण को कम से कम नुकसान पहुँचाएंगी।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- नाइट्रीकरण के उच्च स्तर से नाइट्रोजन निक्षालन, विनाइट्रीफिकेशन और ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन हो सकता है।

यूरिया पर सब्सिडी

- भारत में **यूरिया सबसे ज़्यादा उत्पादित, आयातित, उपभोग किया जाने वाला और शारीरिक रूप से विनियमित उर्वरक है।** इसमें केवल कृषि उपयोग के लिये सब्सिडी दी जाती है।
- केंद्र सरकार प्रत्येक संयंत्र में उत्पादन लागत के आधार पर उर्वरक निर्माताओं को यूरिया पर **सब्सिडी का भुगतान करती है और इकाइयों को सरकार द्वारा निर्धारित अधिकतम खुदरा मूल्य (MRP) पर उर्वरक बेचना होता है।**

डेटा विज्ञान पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

चर्चा में क्यों?

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय का सांख्यिकी एवं परिचालन अनुसंधान विभाग "Innovative trends in statistics, optimisation, and data science अर्थात् सांख्यिकी, अनुकूलन और डेटा विज्ञान में नवीन रुझान" विषय पर एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन करने जा रहा है।

- यह **भारतीय संभाव्यता एवं सांख्यिकी सोसायटी (ISPS) के 44वें वार्षिक सम्मेलन** और **भारतीय विश्वसनीयता एवं सांख्यिकी एसोसिएशन के आठवें सम्मेलन** के संयोजन में आयोजित किया जा रहा है।

मुख्य बिंदु

- **अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का विवरण:**
- तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन **21 से 23 दिसंबर 2024 तक आयोजित किया जाएगा।**
- चर्चा का उद्देश्य एवं विषय:
  - **कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के** कुलपति के अनुसार यह सम्मेलन निम्नलिखित विषयों पर चर्चा के लिये एक मंच के रूप में कार्य करेगा:
  - उत्तरदायी कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI)
  - डेटा-केंद्रित AI
  - एज इंटेलिजेंस
  - डेटा सफाई का स्वचालन
  - उद्योग-विशिष्ट डेटा अनुप्रयोग
  - डाटा प्राइवेसी
  - अन्य प्रासंगिक AI-संबंधित विषय

कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI)

- **परिचय:**
  - **AI एक कंप्यूटर या कंप्यूटर द्वारा नियंत्रित** रोबोट की वह क्षमता है जो ऐसे कार्य कर सके जो आमतौर पर मनुष्यों द्वारा किये जाते हैं क्योंकि उनके लिये मानवीय बुद्धि और विवेक की आवश्यकता होती है।
    - यद्यपि ऐसा **कोई AI नहीं है जो सामान्य मनुष्य द्वारा किये जा सकने वाले विविध प्रकार के कार्य कर सके,** फिर भी कुछ AI विशिष्ट कार्यों में मनुष्यों की बराबरी कर सकते हैं।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- **विशेषताएँ एवं घटक:**
  - कृत्रिम बुद्धिमत्ता की आदर्श विशेषता इसकी **तर्कसंगतता और ऐसे कार्य करने की क्षमता है,** जिनसे किसी विशिष्ट लक्ष्य को प्राप्त करने की सबसे अच्छी संभावना होती है। AI का एक उपसमूह **मशीन लर्निंग (ML)** है।
  - डीप लर्निंग (DL) तकनीकें पाठ (गद्य), चित्र या वीडियो जैसे असंरचित डेटा की विशाल मात्रा के अवशोषण के माध्यम से **इस स्वचालित शिक्षण को सक्षम बनाती हैं।**

हरियाणा में विकास पहल

चर्चा में क्यों?

हरियाणा के मुख्यमंत्री ने **पूंडरी विधानसभा क्षेत्र के लिये विकासात्मक पहल की घोषणा की** तथा जनता को आश्वासन दिया कि इसे शीघ्र ही **उपमंडल का दर्जा प्रदान किया जाएगा।**

मुख्य बिंदु

- **नये उपविभाग प्रस्ताव:**
  - राज्य सरकार ने **नए उपमंडलों और ज़िलों के प्रस्तावों के मूल्यांकन के लिये एक समिति गठित की है।**
  - **पुंडरी (कैथल ज़िला)** को उपमंडल का दर्जा देने का प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया है तथा समिति की रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद इसे मंज़ूरी दी जाएगी।
- **बुनियादी ढाँचा विकास पहल:**
- **शिक्षा एवं स्वास्थ्य परियोजनाएँ:**
  - **पुराने स्कूल भवनों के नवीनीकरण** के लिये 5 करोड़ रुपए आवंटित।
  - भूमि उपलब्धता के अधीन, **फतेहपुर और बदनारा गाँवों में स्वास्थ्य केंद्रों के निर्माण** की योजना है।
- **सड़क अवसंरचना:**
  - **मार्केटिंग बोर्ड की सड़कों की मरम्मत** के लिये 5 करोड़ रुपए निर्धारित।
  - **लोक निर्माण विभाग (PWD) की सड़कों के सुदृढ़ीकरण और मरम्मत** के लिये 10 करोड़ रुपए आवंटित किये गए।
- **उद्घाटन:**
  - 15 करोड़ रुपए की लागत वाली परियोजनाओं का उद्घाटन या शिलान्यास किया गया, जिनमें शामिल हैं:
    - पुंडरी से सेगा तक संपर्क सड़क का निर्माण।
    - नीलोखेड़ी-कारसा-ढांड सड़क का सुदृढ़ीकरण।
    - छह अन्य सड़कों में सुधार।

MSP खरीद पर हरियाणा सरकार की अधिसूचना

चर्चा में क्यों?

हाल ही में **हरियाणा सरकार ने न्यूनतम समर्थन मूल्य (MSP)** पर **24 फसलों** की खरीद को अधिसूचित किया है, जिससे सूची 14 फसलों से बढ़कर 24 हो गई है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

मुख्य बिंदु

- धान, बाजरा, खरीफ मूँग, उड़द, अरहर, गेहूँ और सरसों सहित पहले से खरीदी जा रही फसलों के अलावा MSP के लिये अनुमोदित **10 और फसलें हैं रागी, सोयाबीन, नाइजरसीड, कुसुम, जौ, मक्का, ज्वार, जूट, खोपरा** और **ग्रीष्मकालीन मूँग।**
- **MSP के अंतर्गत मौजूदा फसलें** शामिल हैं: **धान, बाजरा, खरीफ मूँग, उड़द, अरहर, गेहूँ** और **सरसों।**

न्यूनतम समर्थन मूल्य

- **MSP वह न्यूनतम मूल्य** है जिस पर सरकार किसानों से कुछ फसलों की खरीद की गारंटी देती है ताकि संकटपूर्ण बिक्री को रोका जा सके और उचित मूल्य सुनिश्चित किया जा सके।
- **MSP कृषि लागत और मूल्य आयोग (CACP)** की सिफारिशों पर आधारित है, जो उत्पादन लागत, मांग और आपूर्ति, बाज़ार मूल्य रुझान, अंतर-फसल मूल्य समता आदि जैसे विभिन्न कारकों पर विचार करता है।
- **CACP कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय** का एक संबद्ध कार्यालय है। यह जनवरी 1965 में अस्तित्व में आया।
- **भारत के प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति (CCEA)** MSP के स्तर पर अंतिम निर्णय (अनुमोदन) लेती है।
- MSP का उद्देश्य उत्पादकों को उनकी उपज के लिये लाभकारी मूल्य सुनिश्चित करना और **फसल विविधीकरण** को प्रोत्साहित करना है।

सिरसा में काला हिरण मारा गया

चर्चा में क्यों?

हाल ही में **सिरसा ज़िले के जंडवाला बिश्नोईयाँ गाँव** में **काले हिरण के शिकार की घटना से बिश्नोई समुदाय** में आक्रोश बढ़ गया है।

- **वन्यजीव संरक्षण** के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के लिये जाना जाने वाला यह समुदाय, लुप्तप्राय प्रजातियों की सुरक्षा तथा उनके अवैध शिकार को रोकने के लिये **सख्त कार्रवाई** की मांग कर रहा है।

मुख्य बिंदु

- **घटना का परिचय:**
  - 23 दिसंबर, 2024 को एक **पाँच वर्षीय नर काले हिरण का शव** पाया गया, जिसमें कटे हुए निशान थे, जो अवैध शिकार की ओर संकेत करते हैं।
  - पशु चिकित्सक ने पोस्टमार्टम किया, जिसमें एक छिद्रित घाव को अवैध शिकार के साक्ष्य के रूप में पहचाना गया।
    - इस क्षेत्र में **नीलगाय** और बछड़ों जैसे अन्य जानवरों का भी अवैध शिकार किया गया होगा।
- **संरक्षण संबंधी चिंताएँ:**
  - स्थानीय संरक्षणकर्त्ता इस क्षेत्र में काले हिरणों की घटती जनसंख्या से चिंतित हैं।
  - **अखिल भारतीय जीव रक्षा बिश्नोई सभा ने जंडवाला बिश्नोईयान, गंगा और भाऊखेड़ा** जैसे गाँवों में वन्यजीवों पर **वर्ष 2017 में अभयारण्यों की अधिसूचना रद्द करने के प्रभाव पर** प्रकाश डाला।
  - अधिसूचना रद्द होने के बाद से **काले हिरणों और चिंकारा** हिरणों की आबादी में काफी कमी आई है।
  - **वन्यजीव संरक्षण अधिनियम 1972** की **धारा 9, 39, 49, 51 और 54** के तहत मामला दर्ज किया गया है।

The Vision

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

कृष्णमृग

- **परिचय:**
  - काला हिरण (एंटीलोप सर्विकाप्रा) या **भारतीय मृग, भारत और नेपाल में पाई जाने वाली मृग की एक प्रजाति है।**
    - यह **राजस्थान, गुजरात, मध्य प्रदेश, तमिलनाडु, ओडिशा** और प्रायद्वीपीय भारत के अन्य क्षेत्रों में व्यापक रूप से विस्तृत है।
  - इसे **घास के मैदान का प्रतीक माना जाता है।**
  - काला **हिरण एक दिनचर मृग है** (मुख्यत: दिन के समय सक्रिय)।

- **मान्यता:**
  - इसे **पंजाब, हरियाणा और आंध्र प्रदेश का राज्य पशु घोषित किया गया है।**
- **सांस्कृतिक महत्त्व:**
  - हिंदू धर्म में यह **पवित्रता का प्रतीक है** क्योंकि इसकी खाल और सींग पवित्र माने जाते हैं। **बौद्ध धर्म में यह सौभाग्य का प्रतीक है।**
- **संरक्षण स्थिति:**
  - **वन्यजीव संरक्षण अधिनियम 1972:** अनुसूची I
  - **IUCN स्थिति:** कम चिंताजनक
  - **CITES:** परिशिष्ट III
- **धमकी:**
  - पर्यावास या आवास विखंडन, **वनों की कटाई, प्राकृतिक आपदाएँ,** अवैध शिकार।
- **संबंधित संरक्षित क्षेत्र:**
  - वेलावदर ब्लैकबक अभयारण्य- गुजरात
  - प्वाइंट कैलिमेरे वन्यजीव अभयारण्य- तमिलनाडु
  - वर्ष 2017 में, उत्तर प्रदेश राज्य सरकार ने प्रयागराज के पास यमुना पार बेल्ट में **ब्लैकबक कंज़र्वेशन रिज़र्व** स्थापित करने की योजना को मंज़ूरी दी। यह **ब्लैकबक को समर्पित पहला संरक्षण रिज़र्व होगा।**
  - **ताल छापर अभयारण्य**- राजस्थान

अवैध खनन से निपटने के लिये भू-स्थानिक सर्वेक्षण

चर्चा में क्यों?

हाल ही में **हरियाणा ने राजस्थान सीमा के पास अरावली पर्वतमाला का भू-स्थानिक सर्वेक्षण** करने का आदेश दिया है। इस सर्वेक्षण में हरियाणा में **प्रतिबंधित खनन क्षेत्रों का सीमांकन किया जाएगा** और **अवैध खनन पर अंकुश लगाने के लिये राजस्थान में लाइसेंस प्राप्त खदानों की पहचान की जाएगी।**

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

मुख्य बिंदु

- **सर्वेक्षण का परिचय:**
    - **हरियाणा अंतरिक्ष उपयोग केंद्र (HARSAC)** द्वारा आयोजित इस सर्वेक्षण का उद्देश्य **विभिन्न पहाड़ियों पर हरियाणा और राजस्थान के अधिकार क्षेत्र को परिभाषित करना** और राजस्व रिकॉर्ड को अद्यतन करना है।
- **क्षेत्राधिकार संबंधी मुद्दों पर विचार:**
    - **अवैध खनन** माफिया अरावली पहाड़ियों पर अधिकार क्षेत्र की अस्पष्टता का लाभ उठाते हैं।
    - प्रवर्तन ब्यूरो ने रवा गाँव में 6,000 मीट्रिक टन पहाड़ी से अवैध खनन के लिये **प्रथम सूचना रिपोर्ट (FIR) दर्ज की।**
- **अवैध खनन:**
- **परिचय:**
    - अवैध खनन, सरकारी प्राधिकारियों से **आवश्यक परमिट, लाइसेंस या विनियामक अनुमोदन के बिना** भूमि या जल निकायों से खनिजों, अयस्कों या अन्य मूल्यवान संसाधनों का निष्कर्षण है।
    - इसमें पर्यावरण, श्रम और सुरक्षा मानकों का उल्लंघन भी शामिल हो सकता है।
- **समस्याएँ:**
- **वातावरण संबंधी मान भंग:**
    - इससे वनों की कटाई, मृदा क्षरण और जल प्रदूषण हो सकता है तथा **वन्य जीवों के पर्यावास नष्ट हो सकते हैं,** जिसके गंभीर पारिस्थितिक परिणाम हो सकते हैं।
- **परिसंकटमय:**
    - अवैध खनन में अक्सर **पारा और साइनाइड जैसे खतरनाक रसायनों का उपयोग होता है,** जो खनिकों और आसपास के समुदायों **के लिये गंभीर स्वास्थ्य संकट उत्पन्न कर सकते हैं।**
- **राजस्व की हानि:**
    - इससे **सरकारों को राजस्व की हानि हो सकती है,** क्योंकि खननकर्त्ता उचित कर और रॉयल्टी का भुगतान नहीं कर पाएँगे।
    - इसका महत्त्वपूर्ण आर्थिक प्रभाव हो सकता है, विशेषकर उन देशों में जहाँ प्राकृतिक संसाधन राजस्व का प्रमुख स्रोत हैं।
- **मानवाधिकार उल्लंघन:**
    - अवैध खनन के परिणामस्वरूप **मानव अधिकारों का उल्लंघन** भी हो सकता है, जिसमें ज़बरन श्रम, बाल श्रम और सुभेद्य आबादी का शोषण शामिल है।

अरावली

- **परिचय:**
    - **अरावली पर्वतमाला गुजरात से राजस्थान होते हुए दिल्ली तक विस्तृत है, इसकी लंबाई 692 किमी तथा चौड़ाई 10 से 120 किमी. के बीच है।**
        - **यह शृंखला एक प्राकृतिक हरित दीवार के रूप में कार्य करती है, जिसका 80% भाग राजस्थान में तथा 20% हरियाणा, दिल्ली और गुजरात में स्थित है।**
    - अरावली पर्वतमाला दो मुख्य श्रेणियों में विभाजित है - **सांभर सिरोही श्रेणी और राजस्थान में सांभर खेतड़ी श्रेणी,** जहाँ इनका विस्तार लगभग 560 किलोमीटर है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- यह **थार रेगिस्तान** और **गंगा के मैदान** के बीच एक **इकोटोन के रूप में कार्य करता है।**
  - इकोटोन वे क्षेत्र हैं जहाँ **दो या अधिक पारिस्थितिक तंत्र, जैविक समुदाय या जैविक क्षेत्र मिलते हैं।**
- इस पर्वतमाला की सबसे ऊँची चोटी गुरुशिखर (राजस्थान) है, जिसकी ऊँचाई 1,722 मीटर है।

- **अरावली का महत्त्व:**
  - अरावली पर्वतमाला **थार रेगिस्तान को** सिंधु-गंगा के मैदानों पर अतिक्रमण करने से रोकती है, जो ऐतिहासिक रूप से नदियों और मैदानों के लिये जलग्रहण क्षेत्र के रूप में कार्य करती है।
  - इस क्षेत्र में **300 देशी पौधों की प्रजातियाँ,** 120 पक्षी प्रजातियाँ तथा सियार और नेवले जैसे विशिष्ट पशु मौजूद हैं।
  - **मानसून** के दौरान, अरावली पहाड़ियाँ **मानसून के बादलों को पूर्व की ओर निर्देशित करती हैं,** जिससे उप-हिमालयी नदियों और उत्तर भारतीय मैदानों को लाभ होता है। सर्दियों में, वे **उपजाऊ घाटियों को शीत पश्चिमी पवनों से बचाते हैं।**
  - यह रेंज वर्षा जल को अवशोषित करके **भूजल पुनःपूर्ति में सहायता करती है,** जिससे भूजल स्तर पुनर्जीवित होता है।
  - अरावली **दिल्ली-NCR के लिये "फेफड़ों" के रूप में कार्य करती है, जो क्षेत्र के गंभीर वायु प्रदूषण** के कुछ प्रभावों को निम्न करती है।

सुशासन दिवस पर राज्य स्तरीय पुरस्कार

चर्चा में क्यों ?

हाल ही में हरियाणा के गुरुग्राम ज़िले में **सुशासन दिवस** पर **राज्य स्तरीय पुरस्कार समारोह का आयोजन किया गया।**

मुख्य बिंदु

- **हरियाणा में शीर्ष प्रदर्शन करने वाले ज़िले:**
  - हरियाणा में शीर्ष प्रदर्शन करने वाले ज़िलों में **कैथल ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।**
  - **फतेहाबाद और झज्जर दूसरे और तीसरे** स्थान पर रहे।
- **राज्य प्रमुख योजना पुरस्कार:**
- **मुख्यमंत्री शहरी आवास योजना:**
  - **मुख्यमंत्री शहरी आवास योजना** ने श्रेणी में शीर्ष सम्मान प्राप्त किया।
  - इसे **गरीब परिवारों की आवास आकांक्षाओं को पूरा करने** तथा प्रत्येक गरीब व्यक्ति को आवास उपलब्ध कराने के लिये शुरू किया गया था।
  - राज्य योजना के तहत **15,250 लाभार्थियों को भूमि आवंटन** प्रमाण पत्र दिये गए।
- **टोहाना धान पराली प्रबंधन परियोजना:**
  - **फसल अवशेष प्रबंधन योजना** को इस श्रेणी में दूसरे स्थान पर रखा गया।
  - इसका उद्देश्य **फसल अवशेषों के संग्रह और भंडारण को और अधिक सुविधाजनक बनाना है।** इसके अलावा, अधिकारी इन फसल अवशेषों को खरीदने के लिये उद्योगों के साथ साझेदारी स्थापित करने पर भी काम कर रहे हैं।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 — SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस — SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स — SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप — SCAN ME

नोट :

- **हरियाणा परियोजना निगरानी प्रणाली (HPMS) पोर्टल:**
  - **HPMS पोर्टल को** तीसरा पुरस्कार मिला।
  - यह एक **वेब-आधारित सूचना डैशबोर्ड है जो** बुनियादी ढाँचा आधारित परियोजनाओं के **कार्यान्वयन की प्रगति की निगरानी और मूल्यांकन करने** में सहायता करेगा
- **अंबाला नगर निगम की पहल:**
  - **मासिक पास प्रणाली में** प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया तथा चौथा पुरस्कार प्राप्त किया।
- **विशेष विभागीय पुरस्कार:**
- **उत्तर हरियाणा बिजली वितरण निगम:**
  - **मासिक न्यूनतम शुल्क माफी योजना** के लिये मान्यता प्राप्त।
- **निपुण हरियाणा मिशन निगरानी प्रणाली:**
  - **हरियाणा शिक्षा परियोजना परिषद** के तहत द्वितीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

सुशासन दिवस

- यह दिवस नागरिकों में **सरकारी जवाबदेही और प्रभावी प्रशासन के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिये 25 दिसंबर को मनाया जाता है।**
- वर्ष 2024 का विषय है " **भारत का विकसित भारत का मार्ग: सुशासन और डिजिटलीकरण के माध्यम से नागरिकों को सशक्त बनाना।"**
- इसकी शुरुआत वर्ष **2014 में पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी** की जयंती के उपलक्ष्य में की गई थी।
- **पं. मदन मोहन मालवीय** की जयंती भी 25 दिसंबर को मनाई जाती है।

हरियाणा में उप-मंडल की स्थिति

चर्चा में क्यों?

हाल ही में **हरियाणा के मुख्यमंत्री ने** घोषणा की कि **डहीना ब्लॉक को उप-मंडल का दर्जा** दिया जाएगा।

मुख्य बिंदु

- **प्रमुख घोषणाएँ:**
  - मोटलकलां गाँव में **जल अवसंरचना का निर्माण किया जाएगा।**
  - **जाटूसाना में** एक **महाविद्यालय** स्थापित किया जाएगा।
  - भूरथला डिस्ट्रीब्यूटरी का जीर्णोद्धार किया जाएगा तथा लुहाना गाँव को खालेटा से जोड़ने वाली जेएलएन नहर पर एक पुल का निर्माण किया जाएगा।
  - बास, पहराजवास, सुम्मा खेड़ा, रत्नाथल और लिलोध गाँवों में **जलभराव की समस्या** का समाधान करना।
- मुख्यमंत्री ने 23 करोड़ रुपए से अधिक लागत की **छह प्रमुख विकास परियोजनाओं** का **उद्घाटन और शिलान्यास किया।**
  - उन्होंने नठेड़ा और सुर्खपुर गाँवों में उप-स्वास्थ्य केंद्रों के निर्माण के साथ-साथ गुडियानी और रत्नथल गाँवों में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों के निर्माण की योजना की भी घोषणा की।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

उत्तम सेवा पदक

चर्चा में क्यों?

सुशासन दिवस के अवसर पर हरियाणा के **राज्य आपातकालीन प्रतिक्रिया केंद्र** में **पुलिस कर्मियों के सम्मान में** एक समारोह का आयोजन किया गया।

मुख्य बिंदु

- **समारोह की मुख्य विशेषताएँ:**
  - **पुलिस महानिदेशक (DGP)** ने विभिन्न क्षेत्रों में सराहनीय कार्य करने वाले पुलिस कर्मियों को **उत्तम सेवा पदक** से सम्मानित किया।
- **व्यक्तिगत योगदान के लिये मान्यता प्राप्त:**
  - **'स्वान' परियोजना** के लिये स्वान बैंडविड्थ को बढ़ाना और वायरलेस संचार को डिजिटल बनाना।
  - CCTNS और ICJS परियोजनाओं के कार्यान्वयन और निगरानी में योगदान।
  - उच्च एवं निम्न न्यायालयों में मुकदमों का प्रभावी ढंग से बचाव करना।
  - **स्पेशल टास्क फोर्स (STF) रोहतक** का सराहनीय कार्य।
  - **ई-चालान एप्लीकेशन को** उन्नत करना।
  - देश भर में 845 गुमशुदा बच्चों को उनके परिवारों से मिलाया गया।
  - STF में अपने कार्यकाल के दौरान प्रमुख अपराधियों को गिरफ्तार करने में उनकी बहादुरी के लिये उन्हें सम्मानित किया गया।

राज्य व्यापी क्षेत्र नेटवर्क (SWAN)

- **SWAN देश भर में डेटा, ध्वनि और वीडियो संचार के लिये एक एकीकृत आधारभूत नेटवर्क स्थापित करने** की एक केंद्रीय योजना है।
- इसे **मार्च 2005 में अनुमोदित किया गया था और यह राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस योजना (NeGP)** के प्रमुख बुनियादी ढाँचे घटकों में से एक है।

सुशासन दिवस

- यह दिवस नागरिकों में **सरकारी जवाबदेही और प्रभावी प्रशासन के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिये 25 दिसंबर को मनाया जाता है।**
- **वर्ष 2024 का विषय** है "**भारत का विकसित भारत का मार्ग: सुशासन और डिजिटलीकरण के माध्यम से नागरिकों को सशक्त बनाना।**"
- इसकी शुरुआत **वर्ष 2014 में पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी** की जयंती के उपलक्ष्य में की गई थी।
- **पं. मदन मोहन मालवीय** की जयंती भी **25 दिसंबर को मनाई जाती है।**

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉडयूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

भारत की चैंपियन महिला शटलरों के लिये नया केंद्र

चर्चा में क्यों ?

हरियाणा भारत के ओलंपियनों और ओलंपिक पदक विजेताओं में महत्त्वपूर्ण योगदान देता है। पेरिस 2024 में देश के लगभग **एक-चौथाई ओलंपियन राज्य से थे,** साथ ही पाँच व्यक्तिगत पदक विजेताओं में से चार राज्य से थे।

ओलंपिक

प्राचीन इतिहास

- उत्पत्ति - ओलंपिया, ग्रीस (776 ईसा पूर्व)
- ग्रीक संस्कृति से संबंधित
- प्रतियोगिता - दौड़, कुश्ती और रथ दौड़
- समापन - 393 ई. में सम्राट थियोडोसियस प्रथम द्वारा

आधुनिक इतिहास

- पुनर्जीवित - 19वीं सदी के अंत में पियरे डी कुबर्टिन (IOC के संस्थापक सदस्य) द्वारा
- पहला आधुनिक ओलंपिक - एथेंस, ग्रीस (वर्ष 1896)

आगामी प्रतियोगिताएँ

- **शीतकालीन ओलंपिक 2026:** मिलान और कॉर्टिना डी'एम्पेज़ो, इटली
- **ग्रीष्मकालीन ओलंपिक 2028:** लॉस एंजेलिस, संयुक्त राज्य अमेरिका
- **ग्रीष्मकालीन ओलंपिक 2032:** ब्रिस्बेन, ऑस्ट्रेलिया
- भारत वर्ष 2036 के ओलंपिक खेलों की मेज़बानी करेगा

लोगो और मोटो/आदर्श वाक्य

- **लोगो:** श्वेत पृष्ठभूमि पर नीले, पीले, काले, हरे और लाल रंग के 5 इंटरलॉकिंग रिंग **(5 महाद्वीपों के सम्मिलन और विश्व एथलीटों का प्रतिनिधित्व करते हैं)**
- **आदर्श वाक्य:** सिटिअस, अल्टिअस और फोर्टिअस - कम्यूनिटर (अधिक तेज, उच्चतर, अधिक मज़बूत - एकजुट या साथ-साथ) ('कम्यूनिटर' को वर्ष 2021 में जोड़ा गया था)

अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति (IOC)

- स्थापना - वर्ष 1894
- ओलंपिक खेलों का संरक्षक
- मुख्यालय - लॉज़ेन, स्विट्ज़रलैंड

टोक्यो में होने वाली वर्ष 2020 की ओलंपिक प्रतियोगिता में 5 नए खेल शामिल किये गए: सर्फिंग, स्केटबोर्डिंग, स्पोर्ट क्लाइम्बिंग, कराटे और बेसबॉल/सॉफ्टबॉल

पेरिस ओलंपिक 2024

पदक तालिका में भारत 71वें स्थान पर; टोक्यो वर्ष 2020 में 48वें स्थान पर पहुँचा)

भारतीय खिलाड़ी/टीम	पदक	प्रतियोगिता
नीरज चोपड़ा	रज़त	पुरुष भाला फेंक
मनु भाकर और सरबजोत सिंह	कांस्य	10 मीटर एयर पिस्तौल मिश्रित टीम स्पर्द्धा
स्वप्निल कुसाले	कांस्य	पुरुषों के 50 मीटर राइफल 3 पोजीशन
भारतीय हॉकी टीम	कांस्य	पुरुष हॉकी
मनु भाकर	कांस्य	महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्द्धा
अमन सहरावत	कांस्य	पुरुषों की फ्रीस्टाइल 57 किग्रा कुश्ती स्पर्द्धा

भारतीय ओलंपिक संघ (IOA)

- स्थापना - **वर्ष 1927**
- ओलंपिक, एशियाई खेलों और राष्ट्रमंडल खेलों में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाले एथलीटों का चयन करता है

Drishti IAS

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

मुख्य बिंदु

- **बैडमिंटन का विकास:**
- हरियाणा में **विभिन्न खेलों में ज़मीनी स्तर पर भागीदारी बढ़ रही है,** जिसमें बैडमिंटन नवीनतम खेल है जिसने महत्त्वपूर्ण प्रगति प्राप्त की है।
- **उभरते बैडमिंटन सितारे:**
  - **लंदन ओलंपिक 2012 की** कांस्य पदक विजेता **साइना नेहवाल** हरियाणा से हैं, लेकिन उन्होंने हैदराबाद में प्रशिक्षण लिया है।
  - **अनमोल खरब, जिन्होंने मात्र 17 वर्ष की उम्र में भारत को 2024 में अपना पहला बैडमिंटन एशिया खिताब** प्राप्त करने में सहायता की और **उन्नति हुड्डा** जैसे खिलाड़ियों ने हरियाणा में अपने कौशल को निखारा है।
  - हरियाणा की महिला टीम ने अपना पहला **सीनियर राष्ट्रीय बैडमिंटन चैंपियनशिप** स्वर्ण जीता, जिसमें देविका सिहाग ने महिला एकल खिताब जीता, जो अनमोल (2023) और अनुपमा उपाध्याय (2022) के बाद हैट्रिक है।
- **पारंपरिक खेलों से ध्यान भटकाना:**
  - रोहतक और सोनीपत जैसे क्षेत्र, जो पारंपरिक रूप से **कबड्डी** और **कुश्ती** के लिये जाने जाते हैं, वहाँ अब माता-पिता बैडमिंटन को प्रोत्साहित कर रहे हैं, क्योंकि इसमें संपर्क रहित प्रकृति और शिक्षा के साथ इसकी अनुकूलता है।
  - **उत्तर भारत में बढ़ती रैंकिंग टूर्नामेंटों ने** स्थानीय खिलाड़ियों को **अधिक अवसर प्रदान किये** हैं।
- **भविष्य के लक्ष्य:**
  - **प्रशिक्षकों ने राष्ट्रीय स्तर की जीत को अंतर्राष्ट्रीय सफलता** में बदलने की आवश्यकता पर बल दिया।
  - हरियाणा व्यावसायिक हितों की अपेक्षा प्रदर्शन को प्राथमिकता दे रहा है, तथा **उसका लक्ष्य बैडमिंटन में भी कुश्ती जैसा प्रभुत्व दोहराना है।**

ओ.पी. चौटाला का निधन

चर्चा में क्यों?

हाल ही में **हरियाणा सरकार ने पूर्व मुख्यमंत्री ओम प्रकाश चौटाला** के सम्मान में **तीन दिवसीय राजकीय शोक की** घोषणा की, जिनका गुरुग्राम में निधन हो गया था।

मुख्य बिंदु

- **राजकीय शोक:**
  - इस अवधि के दौरान, **राष्ट्रीय ध्वज** उन सभी सरकारी भवनों पर आधा झुका रहेगा जहाँ इसे नियमित रूप से फहराया जाता है।
  - सभी राज्य सरकारी समारोह और आधिकारिक मनोरंजन गतिविधियाँ रद्द कर दी गई हैं।
- **सार्वजनिक अवकाश और राजकीय अंत्येष्टि:**
- सम्मान स्वरूप शनिवार को सभी राज्य सरकारी कार्यालयों में सार्वजनिक अवकाश घोषित किया गया है।
- 28 दिसंबर, 2024 को चौटाला परिवार के पैतृक गाँव सिरसा ज़िले के तेजा खेड़ा फार्म में राजकीय अंतिम संस्कार किया गया।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉडयूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- **पूर्व मुख्यमंत्री का निधन:**
  - इंडियन नेशनल लोकदल (INLD) के अध्यक्ष और पाँच बार हरियाणा के मुख्यमंत्री रहे चौटाला का 89 वर्ष की आयु में निधन हो गया।

हड़प्पा युग की जल प्रबंधन तकनीक

चर्चा में क्यों?

राखीगढ़ी में हड़प्पा युग के स्थल पर चल रहे उत्खनन से **जल प्रबंधन** के महत्त्वपूर्ण **साक्ष्य सामने आए हैं,** जिनमें हिसार ज़िले के राखीगढ़ी गाँव में टीले एक और दो के बीच एक जल निकाय की खोज भी शामिल है।

मुख्य बिंदु

- **जल संग्रहण क्षेत्र की खोज:**
  - उत्खनन से **3.5 से 4 फीट गहराई वाला जल भंडारण क्षेत्र सामने आया, जिससे** 5,000 वर्ष पूर्व की उन्नत जल प्रबंधन तकनीकों का पता चला।
  - **भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (ASI)** ने इसे हड़प्पा लोगों द्वारा **परिष्कृत इंजीनियरिंग का साक्ष्य** बताया।
- **विशिष्ट आवास क्षेत्र की पहचान की गई:**
  - टीले संख्या एक, दो और तीन की पहचान "कुलीन क्षेत्र" के रूप में की गई है, जहां संभवत: **हड़प्पा सभ्यता के उच्च वर्ग के लोग निवास करते थे।**
  - इस क्षेत्र में पाई गई विशाल संरचनाएँ अभिजात वर्ग के निवास स्थल के रूप में इसके महत्त्व को दर्शाती हैं।
- **दृशावती नदी की उपस्थिति:**
  - **चौतांग या दृशावती नदी** के रूप में पहचानी गई **सूखी हुई नदी स्थल,** स्थल से लगभग 300 मीटर की दूरी पर स्थित थी।
  - यह नदी संभवत: **इस क्षेत्र के लिये जीवन रेखा के रूप में कार्य करती थी,** पुरातात्विक साक्ष्यों से पता चलता है कि हड़प्पावासी इस नदी के पानी को अपने प्राथमिक जल स्रोत के रूप में संग्रहित करते थे।
  - **भारतीय प्राणी सर्वेक्षण** द्वारा स्थल पर की गई कोर ड्रिलिंग से दृशावती नदी के तल की उपस्थिति की पुष्टि हुई।
- **सभ्यता पर नदी सूखने का प्रभाव:**
  - पुरातत्वविदों का मानना है कि **दृशावती नदी लगभग 5,000 वर्ष पहले सूखने लगी थी,** जिसके कारण राखीगढ़ी जैसे शहरों में जल संकट उत्पन्न हो गया था।
  - **दृशावती और सरस्वती नदियों** के धीरे -धीरे लुप्त होने से संभवत: इस क्षेत्र में हड़प्पा सभ्यता का **पतन हुआ।**
- **हड़प्पा इंजीनियरिंग की विरासत:**
  - ये निष्कर्ष हड़प्पा लोगों द्वारा प्रयुक्त **जल भंडारण और संरक्षण की उन्नत तकनीकों** को प्रदर्शित करते हैं, तथा प्राकृतिक संसाधनों के प्रबंधन में उनकी कुशलता को रेखांकित करते हैं।

हड़प्पा सभ्यता

- **हड़प्पा सभ्यता,** जिसे **सिंधु घाटी सभ्यता (IVC) के नाम से भी जाना जाता है, सिंधु नदी** के किनारे लगभग **2500 ईसा पूर्व में विकसित हुई थी।**

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- यह **मिस्र, मेसोपोटामिया और चीन** के साथ **चार प्राचीन शहरी सभ्यताओं में सबसे बड़ी थी।**
- **तांबा आधारित मिश्रधातुओं** से बनी अनेक कलाकृतियों की खोज के कारण सिंधु घाटी सभ्यता को **कांस्य युगीन सभ्यता के रूप में वर्गीकृत किया गया है।**
- **दया राम साहनी ने** सबसे पहले **1921-22 में हड़प्पा की खुदाई की** और **राखल दास बनर्जी ने 1922 में मोहनजो-दारो की** खुदाई शुरू की।
  - **ASI के महानिदेशक सर जॉन मार्शल उस उत्खनन के लिये ज़िम्मेदार थे जिसके परिणामस्वरूप** सिंधु घाटी सभ्यता के **हड़प्पा और मोहनजोदड़ो स्थलों** की खोज हुई।

✦ ✦ ✦ ✦

दृष्टि The Vision

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME